सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 51 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 मार्च, 2024
मूल्य ₹ 3/-

कोई व्यक्ति अपने कार्यों से महान होता है, अपने जन्म से नहीं।
-चाणक्य

आईपीएल : चेन्नई ने जीत के साथ... 7 | भाजपा को भारी पड़ सकती है राज... 3 | जांच परखकर ही उम्मीदवार उतारने... 2

घोटाले के पैसे पर बवाल, आप ने उठाया बीजेपी पर सवाल

भाजपा से जुड़े लोगों से जुड़ रहे घोटाले के तार

» आतिशी का दावा- आप नेता के खिलाफ मनी ट्रेल बताने में विफल रही ईडी

» केजरीवाल की पत्नी ने पढ़ी सीएम की भावुक अपील

» आप का जोरदार प्रदर्शन दिल्ली पुलिस मुस्तैद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद देश का सियायी पारे में उबाल आ गया है। आम आदमी पार्टी समेत पूरे विपक्ष ने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उधर बीजेपी को उस समय आप की ओर ये करारा झटका लगा जब दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि तथा कथित घोटाले के पैसा आप के किसी नेता के पास से बरामद नहीं बल्कि व बीजेपी से जुड़े लोगों के पास पहुंचा है। वहीं अब इस मामले आप ने आम जनता से भावुक रुप से जुड़ने का प्रयास भी शुरू कर दिया है। सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने आज अपने पति व दिल्ली के सीएम का संदेश पढ़कर लोगों ने भावुक अपील की।

आतिशी ने एक बार फिर से दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मामले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के तथाकथित एक्साइज पॉलिसी घोटाले में पिछले दो साल से सीबीआई और ईडी की जांच चल रही है। इन दो सालों में एक सवाल बार-बार सामने आया है- मनी ट्रेल कहां है? पैसा कहां गया? उन्होंने दावा किया कि आप के किसी भी नेता, मंत्री या कार्यकर्ता के पास से अपराध की कोई आय बरामद नहीं हुई। आपको बता दें कि दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीएम केजरीवाल को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सात दिन यानी 28 मार्च तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप द्वारा शहीदी पार्क में इकट्ठा होने के आह्वान के बीच शनिवार को सुरक्षाकर्मी मध्य दिल्ली में गश्त करते रहे। दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सभी विधायक, पार्षद और पदाधिकारी तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के घटक दलों के नेता भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के 'शहीद दिवस' पर शनिवार सुबह 10 बजे शहीदी पार्क में इकट्ठा होंगे और लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी विरोध-प्रदर्शन में शामिल होंगे। दिल्ली पुलिस ने कहा कि शहीदी पार्क की ओर जाने वाली सड़कें अभी बंद नहीं की गई हैं।

शरत चंद्र रेड्डी को क्यों दी गई जमानत : आतिशी

आतिशी ने कहा कि इसी मामले में दो दिन पहले सिर्फ एक शख्स शरत चंद्र रेड्डी के बयान के आधार पर अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था। वह अरबिंदो फार्मा के मालिक हैं। उन्हें 9 नवंबर 2022 को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। उन्होंने साफ कहा कि उनकी अरविंद केजरीवाल से कभी मुलाकात या बात नहीं हुई और उनका आप से कोई लेना-देना नहीं है। इतना कहते ही उन्हें अगले ही दिन ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने दावा किया कि कई महीनों तक जेल में रहने के बाद उन्होंने अपना बयान बदल दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की और उनसे उत्पाद नीति मामले पर बात की। इतना कहते ही उन्हें जमानत दे दी गई। लेकिन पैसा कहां है? मनी ट्रेल कहां है? आप नेता जैस्मीन शाह ने कहा- अगर यही पैसा आम आदमी पार्टी को गए होते तो सभी नेता आज जेल में भेजा। शरद रेड्डी सबसे बड़ा किंगपिन है। बीजेपी को पता था कि ये सच्चाई सामने नहीं आएगी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के जरिए इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी सामने आई, तो उनकी भेद खुल गई।

हैदराबाद में के कविता के रिश्तेदारों के घर पर ईडी की छापेमारी

दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में बंद बीआरएस नेता के कविता की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने के कविता के रिश्तेदारों के दो ठिकानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी हैदराबाद में की गई है। बीआरएस नेता तो पहले से ही ईडी की हिरासत में हैं, उनसे लगातार पूछताछ की जा रही है। ईडी ने के कविता को 15 मार्च को गिरफ्तार किया था. उनकी सात दिन की रिमांड अवधि

आज यानी कि 23 मार्च को समाप्त हो रही है। के कविता ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. हालांकि अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें दिल्ली आबकारी नीति मामले में जमानत के लिए निचली अदालत में जाने को कहा है, वहीं कोर्ट ने के कविता की उस याचिका पर ईडी से छह सप्ताह में जवाब मांगा, जिसमें उन्होंने पीएमएलए के प्रावधानों को चुनौती दी है।

केजरीवाल लोहे की तरह मजबूत, उनका जीवन देश के लिए समर्पित : सुनीता

सुनीता केजरीवाल ने सीएम केजरीवाल का संदेश पढ़ा। उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल ने लिखा कि एक बार मंदिर जाना और मेरे लिए दुआएं मांगना। मैं जल्द ही बाहर आऊंगा। मैं लोहे की तरह मजबूत हूं। मेरा जीवन पल-पल देश के लिए है। केजरीवाल ने कहा कि वह जल्द बाहर आएंगे, आपके लिए काम करेगा। करोड़ों लोगों की दुआएं मेरे साथ है। आम आदमी पार्टी की कार्यकर्ताओं से अपील है कि लोकसेवा का काम रूकना

नहीं चाहिए। आप बीजेपी वाले से नफरत नहीं करना, वे सब मेरे भाई है। मैं जल्द लौटूंगा। आपका अपना भाई, अरविंद।

मंत्री आतिशी की पुलिस से हुई नोकझोंक

दिल्ली की मंत्री आतिशी को पुलिस ने पार्टी ऑफिस जाने से रोका है। आतिशी ने एक्स पर लाइव आकर घटना को दिखाया। वह पुलिस से उलझी हुई है। वह कह रही हैं कि आप हमें पार्टी ऑफिस जाने से क्यों रोक रहे हैं। लोकसभा चुनाव चल रहे हैं और कैंपेन करने से क्यों रोका जा रहा है।

आज ईडी करेगी सीएम से पूछताछ

दिल्ली के मुख्यमंत्री छह दिनों की ईडी रिमांड पर हैं। आज से ईडी उनसे पूछताछ करेगी। ईडी की रिमांड पर जाने से पहले केजरीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देंगे।

मनी ट्रेल सीधे बीजेपी की तरफ जा रहा : सौरभ

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा- शरद रेड्डी को सिर्फ पीठ दर्द की वजह से जमानत मिल गई। वहीं उसके एक बयान पर सीएम को गिरफ्तार कर लिया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा- अरविंद फार्मा और उसकी दो सब्सिडियरी से बीजेपी को 50 करोड़ रुपये के इलेक्ट्रोरल बॉन्ड दिए गए। मनी ट्रेल सीधे बीजेपी की तरफ जा रहा है।

जांच परखकर ही उम्मीदवार उतारने का मन बना रही बसपा

» बंगाल-मप्र में प्रत्याशी घोषित, यूपी में बढ़ा इंतजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा की प्रमुख मायावती अपनी पार्टी को विस्तार देने में लगी हुई है। हाल ही में उन्होंने मध्यप्रदेश के प्रत्याशी घोषित किए थे अब उन्होंने बंगाल के भी उम्मीदवार घोषित किए। हालांकि वह यूपी अब तक सूची पूरी तरह से फाइनल नहीं कर पाई हैं। सूत्रों की माने तो बसपा सुप्रीमो बहुत खोजबीन व ठोंक पीटकर ही उम्मीदवार उतारने का मना बना रही हैं। बसपा ने मध्य प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल में भी अपने अधिकृत प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा सुप्रीमो मायावती ने 22 मार्च को ही अपने प्रत्याशियों की पहली सूची जारी कर दी थी। लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी के जोनल कोऑर्डिनेटर जिलों में प्रत्याशियों का एलान कर रहे हैं। बसपा सुप्रीमो से प्रत्याशियों की मुलाकात कराने का भी सिलसिला जारी है। पार्टी ने एकमात्र सांसद गिरीश चंद्र को टिकट दिया, वह भी नगीना के बजाय बुलंदशहर से। वहीं, शुक्रवार को मोहनलालगंज सीट से राजेश कुमार जाटव को टिकट दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार अब तक करीब 24 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम का एलान हो चुका है। सबसे ज्यादा टिकट मुस्लिम और ब्राह्मण प्रत्याशियों को दिए गए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में पहले चरण की तीन सीटों पर बसपा ने जीत हासिल की थी। सहारनपुर में हाजी फजलुर्रहमान, बिजनौर में मलूक नागर, नगीना में गिरीश चंद्र ने फतह हासिल की थी। इनमें केवल गिरीश चंद्र को टिकट दिया गया है। बाकी सात सांसदों में से पांच बगावत कर चुके हैं। बता दें कि गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी सपा, अंबेडकरनगर के सांसद रितेश पांडेय भाजपा, लालगंज की सांसद संगीता आजाद भाजपा, अमरोहा के सांसद दानिश अली कांग्रेस में जा चुके हैं।

पहले चरण में 3 सीटों पर मिली थी जीत

अफजाल, रितेश और बागियों पर भी नजर

पार्टी सूत्रों के अनुसार बची हुई सीटों पर प्रत्याशियों के चयन में अन्य दलों के बागियों को भी तवज्जो दी जा सकती है। दरअसल भाजपा ने अभी कई सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं, जबकि कांग्रेस की भी कोई सूची जारी नहीं हुई है। ऐसे में जिन नेताओं को उनके दल टिकट नहीं देंगे, उनको बसपा में आसानी से आसरा मिल सकता है। बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ने से उनका राजनीतिक अस्तित्व बचा रहेगा, साथ ही वह अन्य दलों के प्रत्याशियों के लिए मुश्किलें भी खड़ी कर सकते हैं।

जो मोदी के आगे झुकेगा नहीं वह जेल जाएगा : अजय

» यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले- हार के डर से तानाशाही पर उतरी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया है। उप्होंने कहा है कि हार की हताशा में विपक्षी दलों से प्रतिशोध ले रही है। इंडिया गठबंधन की बुनियाद बनते ही भाजपा को इस बात का आभास हो गया था कि देश के संसाधनों की लूट और प्रजातंत्र को बचाने के लिए प्रतिपक्षी दलों का एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन बना गया है। अजय राय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा हर संभव कोशिश कर रहे हैं कि इस गठबंधन के लोगों को प्रताड़ित करके इंडिया गठबंधन में जाने से रोका जाए।

ईडी, सीबीआई, आईटी के माध्यम से इन दलों के नेताओं का मनोबल तोड़ा जाये। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि जो इंडिया गठबंधन में शामिल होगा उसे जेल भेज दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल के पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के साथ भी यही दुर्व्यवहार किया गया था। उन्होंने भी झुकने से इन्कार किया तो जेल भेज दिया गया।

कोई भी पार्टी धन के बगैर नहीं चल सकती : गडकरी

» बोले- चुनावी बॉण्ड योजना के पीछे की मंशा अच्छी थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

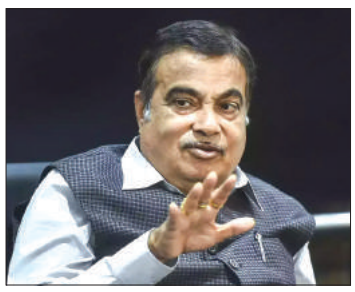

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि बिना धन के राजनीतिक दल को चलाना संभव नहीं है और केंद्र ने चुनावी बॉण्ड योजना ''अच्छे इरादे'' से शुरू की थी। केंद्र सरकार द्वारा 2017 में लायी इस योजना को उच्चतम न्यायालय ने असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि यदि उच्चतम न्यायालय इस मामले पर और कोई निर्देश देता है तो सभी राजनीतिक दलों को एक साथ बैठने और इस पर विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है।

उन्होंने गांधीनगर के समीप गिफ्ट सिटी में एक मीडिया संगठन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। गडकरी ने चुनावी बॉण्ड के बारे में एक सवाल पर कहा, ''जब अरुण जेटली केंद्रीय वित्त मंत्री थे तो मैं चुनावी बॉण्ड से जुड़ी बातचीत का हिस्सा था। कोई भी पार्टी संसाधनों के बगैर नहीं चल सकती। कुछ देशों में सरकारें राजनीतिक दलों को चंदा देती है। भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए हमने राजनीतिक दलों के वित्त पोषण की इस व्यवस्था को चुना। उन्होंने कहा कि चुनावी बॉण्ड लाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य यह था कि राजनीतिक दलों को सीधे चंदा मिले लेकिन दानदाताओं के नामों का खुलासा न किया जाए क्योंकि ''अगर सत्तारूढ़ दल बदलता है तो समस्याएं पैदा होंगी। गडकरी ने कहा, ''आपको जमीनी हकीकत देखने की जरूरत है। पार्टियां चुनावी कैसे लड़ेंगी? हम पारदर्शिता लाने के लिए चुनावी बॉण्ड की व्यवस्था लेकर आए थे।

उम्मीदवारों पर सपा ने शुरू की माथापच्ची

» अखिलेश ने संभाला मोर्चा आजम खां से मिले, भाजपा को हराने पर हुई चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोस चुनाव 2024 में समाजवादी पार्टी किसी भी तरह से बीजेपी को रोकने में लगी है। इसी सिलसिले में वह सीतापुर में सपा नेता आजम खान से मिले। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां में करीब डेढ़ घंटे बातचीत हुई। इस दौरान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर कई सीटों पर उम्मीदवारों के नाम फाइनल करने को लेकर चर्चा हुई। इस मुलाकात में आजम खां ने अखिलेश यादव को भी लोकसभा चुनाव लड़ने की सलाह दी।

साथ ही उन्होंने कहा कि आप रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़िए। इससे पश्चिमी यूपी में पार्टी को फायदा हो सकता है। इस मुलाकात में रामपुर, मुरादाबाद और बिजनौर समेत पश्चिमी यूपी की कई लोकसभा सीटों को लेकर आजम और अखिलेश के बीच चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि आजम खां ने अखिलेश को रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की पेशकश की, ताकि पश्चिमी यूपी में रणनीतिक संदेश जाए। आजम खां के प्रस्ताव पर अगर अखिलेश यादव रामपुर से मैदान में उतरते हैं तो सपा समर्थक मतदाताओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा। इससे जीत सुनिश्चित हो सकेगी।

हालांकि अखिलेश यादव या पार्टी के किसी अन्य नेता की इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि क्या अखिलेश यादव आजम खां की सलाह मानकर रामपुर सीट से चुनाव मैदान में उतरेंगे। याद रहे, साल 2019 लोकसभा चुनाव में रामपुर लोकसभा सीट से आजम खां ने सपा के टिकट पर जीत दर्ज की थी, हालांकि आजम खां को कोर्ट ने एक फैसले में सजा सुनाई, जिससे उनकी सांसदी चली गई, इसके बाद इस सीट पर उपचुनाव हुआ। उपचुनाव में भाजपा ने यह सीट सपा से छीन ली। सपा का आरोप है कि सत्ता के जोर पर उनके मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया गया।

हमारा सामना भारत के दुश्मनों से : स्टालिन

» चुनाव से पहले बीजेपी पर किया तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए इसे भारत और मानव जाति का दुश्मन करार दिया। पार्टी कैडरों को हाल ही में जारी पार्टी घोषणापत्र के बारे में बताते हुए और 21 डीएमके उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगने के लिए लिखे गए पत्र में एमके स्टालिन ने कहा कि आगामी संसदीय चुनावों में हम जिन दुश्मनों का सामना करेंगे, वे न केवल हमारे राजनीतिक दुश्मन हैं, बल्कि वे हैं भारत के दुश्मन।

भारतीय संविधान के दुश्मन। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की एकता और अखंडता के दुश्मन। भारत के बहुलवाद और धर्मनिरपेक्षता के दुश्मन। संघवाद के दुश्मन। संक्षेप में मानव जाति के दुश्मन। चूंकि यह स्पष्ट हो गया है कि तमिलनाडु के लोग द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ हैं, इसलिए भाजपा अब तमिल लोगों को आतंकवादियों के रूप में चित्रित कर रही है। प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री और पार्टी नेता तक सभी अपने अभियान के तहत झूठ फैला रहे हैं।

भाजपा को भारी पड़ सकती है राज ठाकरे की कट्टर मराठी छवि

- मनसे से गठबंधन का दांव पड़ेगा महंगा
- उत्तर भारतीयों से चिढ़ती है मनसे, कई बार हो चुका है विवाद
- महाराष्ट्र के साथ-साथ यूपी, बिहार और गुजरात में भी हो सकता है नुकसान
- बीजेपी का कोर वोट रहा है उत्तर भारतीय समाज
- उत्तर भारतीय छात्रों से मारपीट आज भी नहीं भूले लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अंदर लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी तापमान चढ़ चुका है। सभी दल अपनी-अपनी रणनीतियों को अंजाम देने में लगे हुए हैं। कहीं प्रत्याशियों का ऐलान किया जा रहा है। तो कहीं सियासी दल अपने-अपने कुनबे को बढ़ाने में लगे हैं। इस दौरान नेताओं द्वारा एक दल से दूसरे दल में जाने का सिलसिला भी लगातार जारी है। इस बीच दूसरे नंबर पर सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्य महाराष्ट्र में सियासी हलचल काफी तेज हो रखी है। यहां सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है और आए दिन सियास घटनाक्रम में बदलाव देखने को मिल रहा है।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन और एनडीए में राज ठाकरे के शामिल होने की चर्चाओं ने प्रदेश का सियासी पारा एक बार फिर काफी हाई कर दिया है। सबसे बड़ी बात कि राज ठाकरे के बीजेपी के साथ आने की चर्चाओं से महायुति और एनडीए के सहयोगी दलों में ही काफी हलचल मच गई है। वहीं भाजपा राज ठाकरे को उद्धव ठाकरे के काट के तौर पर और प्रदेश में अपनी स्थिति को मजबूत बनाने के लिए शामिल करना चाह रही है। लेकिन इस दौरान शायद बीजेपी ये भूल रही है कि राज ठाकरे को अपने साथ लाने का उसका ये दांव उसे उल्टा भी पड़ सकता है। कहीं ऐसा न हो कि राज ठाकरे को अपने साथ लाने से भाजपा को उल्टा महाराष्ट्र में नुकसान उठाना पड़ जाए। और जो अभी उसकी उम्मीदें हैं वो भी धूमिल हो जाएं। साथ ही उसके सहयोगी भी उससे दूरी बनाने लगें।

दरअसल, अमित शाह और राज ठाकरे की मुलाकात के बाद ये कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे की मनसे और बीजेपी के बीच चुनावी गठबंधन होने की कगार पर है। राज ठाकरे भी अब एनडीए और महायुति का हिस्सा बन जाएंगे। लेकिन मनसे और बीजेपी के बीच संभावित गठबंधन उत्तर भारतीय, गुजराती, राजस्थानी सहित अन्य गैर मराठियों के हलक के नीचे नहीं उतर रहा है। ऐसे में राज ठाकरे को अपने साथ लाने से अब बीजेपी की ही मंशा पर उंगली उठाई जा रही है। लोग आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि इस गठबंधन से बीजेपी का कोर उत्तर भारतीय मतदाता उनसे दूर हो जाएगा। सबसे बड़ी बात कि भाजपा को इसका खामियाजा मुंबई ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार में भी भुगतना पड़ सकता है।

दरअसल, राज ठाकरे और उनकी मनसे का उत्तर भारतीयों को लेकर जो व्यवहार रहा है और जो सोच रही है। वो उत्तर भारतीयों को कभी नहीं भूल सकता। यही वजह है कि उत्तर भारतीय मतदाता आज भी मनसे के उस कृत्य को भूल नहीं पाया है। जिसमें राज के समर्थकों ने खुलेआम बीच सड़क पर उत्तर भारतीय हिंदी भाषी छात्रों की पिटाई की थी। मराठी नेमप्लेट के मुद्दे पर जिस तरह से मनसे ने उग्र आंदोलन किया, उसे मुंबई के व्यापारी भी अब तक भूल नहीं पाएं हैं। राज की मनसे की छवि हमेशा उत्तर भारतीय विरोधी रही है। मुंबई में परीक्षा देने के लिए आए उत्तर भारतीय छात्रों की पिटाई, फेरीवालों के खिलाफ आए दिन मारपीट, निजी क्षेत्रों में नौकरी करने वाले उत्तर भारतीयों का विरोध, ऑटो-टैक्सी वालों की पिटाई और कल्याण रेलवे स्टेशन पर उत्तर भारतीयों की पिटाई के मामले में मनसे वालों पर आरोप लगे हैं। इतना ही नहीं कई मौकों पर मनसे के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की ओर से उत्तर भारतीयों पर अत्याचार के मामले सामने आए हैं। उस वक्त बीजेपी के लोग मदद के लिए खुलकर सामने नहीं आए थे। बीजेपी के उत्तर भारतीय नेताओं ने तो मीडिया में बयान देकर महज खानापूर्ति कर ली थी। ऐसे में अब जब आज भाजपा राज ठाकरे से हाथ मिला रही है और उन्हें अपने दल में शामिल कर रही है। तो संभव है कि इसका खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़ सकता है।

कट्टर मराठी ही है राज ठाकरे का समर्थक

इसी तरह, दुकानों के नाम के बोर्ड लेकर मनसे के लोगों ने कई दुकानों को नुकसान पहुंचाया। उसे लेकर व्यापारी समुदाय में मनसे के प्रति आज भी गुस्सा है। इन सबके चलते ज्यादातर गैर मराठी राज के विरोध में खड़ा है। मस्जिद से लाउडस्पीकर हटाने की जिस तरह से राज ने मुहिम चलाई, उससे राज की छवि मुस्लिम विरोधी भी है। आम तौर पर ऐसा माना जाता है कि राज को वोट देने वाले कट्टर मराठी समुदाय है, जो सिर्फ मराठी हितों की बात करता है। राज की पार्टी को उत्तर भारतीय, गुजराती, राजस्थानी सहित दूसरे प्रांत के लोग वोट नहीं देते, न ही प्रचार-प्रसार करते हैं। ऐसे में सवाल ये ही खड़ा होता है कि बीजेपी के साथ गठबंधन करने के बाद क्या मनसे से पीड़ित समाज बीजेपी के साथ खड़ा रहेगा? जिसकी संभावनाएं काफी कम दिखाई पड़ती हैं। ऐसी परिस्थिति में इन मतदाताओं को लुभाने के लिए अब कांग्रेस और उद्धव सेना के पास बहुत

बेहतरीन अवसर माना जा रहा है। कांग्रेस और उद्धव के पास मौका है कि वो भाजपा के दांव को बीजेपी पर ही उल्टा डाल सकते हैं। और इसका लाभ उठा सकते हैं।

भाजपा नेताओं के सामने भी बड़ी मुश्किल!

अब भाजपा के साथ गठबंधन के बाद मनसे के वही कार्यकर्ता, पदाधिकारी बीजेपी-शिवसेना उम्मीदवार के लिए वोट मांगने आएंगे। जिनकी उन्होंने कभी पिटाई की थी। उसी मनसे के लोगों के साथ उत्तर भारतीय नेता कैसे प्रचार करेंगे? मनसे नेताओं के साथ उत्तर भारतीय नेता कैसे मंच शेयर करेंगे? ये सब सवाल उत्तर भारतीय समाज में सर उठा रहे हैं। इन सभी सवालों पर बीजेपी के उत्तर भारतीय नेताओं के मुंह पर ताला लग गया है। छोटे-मोटे कार्यक्रमों का आयोजन कर, मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात कर ज्ञापन देने वाले बीजेपी के उत्तर भारतीय नेता राज के साथ संभावित गठबंधन पर बोलने से मना कर रहे हैं।

हालांकि, भाजपा नेता भी कहीं न कहीं ये मानते हैं कि उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि जिन मनसे ने उत्तर भारतीयों की पिटाई की अब गठबंधन के बाद उसी मनसे के लिए वोट मांगना काफी मुश्किल है। और कहीं न कहीं इसका खामियाजा बीजेपी को ही उठाना पड़ सकता है। यही वजह है कि राज ठाकरे के भाजपा के साथ आने की चर्चाओं के बाद से ही विपक्ष लगातार भाजपा पर हमलावर है और उसे घेर रहा है। महाराष्ट्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष नसीम खान ने इस मामले पर भाजपा को निशाने पर लेते हुए कहा कि बीजेपी अवसरवादी पार्टी है। जिस मनसे ने उत्तर भारतीयों को मारा और अपमानित किया, उसी पार्टी के साथ बीजेपी गठबंधन कर उत्तर भारतीयों के साथ विश्वासघात कर रही है। उत्तर भारतीय समाज बीजेपी को कभी माफ नहीं करेगा।

कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

जाहिर है कि इस गठबंधन के बाद जहां मनसे-बीजेपी गठबंधन पर बीजेपी नेता मौनी बाबा बन गए हैं, वहीं कांग्रेस सवाल पर सवाल कर रही है। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे का कहना है कि यह गठबंधन तो उत्तर भारतीयों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रत्नेश सिंह का कहना है कि बीजेपी का असली चेहरा सामने आ गया है। क्योंकि इससे पहले वह राज को उत्तर भारतीयों की नाराजगी के नाम पर छुपे तौर से मदद करते थे। वहीं कांग्रेस के सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमित शाह ने उसी राज के साथ हाथ मिला लिया, जो यूपी और बिहार के लोगों को मुंबई की सड़कों पर पटक-पटक कर पिटवाता है। मुंबई यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश यादव का कहना है कि जिसने उत्तर भारतीयों की बेइज्जती की, उसके साथ बीजेपी हाथ मिला रही है। वोट की राजनीति करते समय बीजेपी सभी को भूल जाती है। मुंबई, महाराष्ट्र में बीजेपी कभी भी उत्तर भारतीयों की हितैषी नहीं रही है। उसे सिर्फ उत्तर भारतीयों का वोट चाहिए।

विपक्ष को मिला बैठे-बिठाए एक मुद्दा

साफ है कि भाजपा ने राज ठाकरे को अपने साथ लाने का दांव विपक्षी खेमे पर दबाव बनाने के लिए और उद्धव ठाकरे के काट के तौर पर चला था। लेकिन यहां भाजपा ये भूल गई कि राज ठाकरे की छवि महाराष्ट्र समेत पूरे देश में क्या है। और उनकी मनसे ने महाराष्ट्र के उत्तर भारतीयों के साथ कैसा व्यवहार किया है। क्योंकि ये उत्तर भारतीय भाजपा का कोर वोट बैंक माना जाता रहा है। ऐसे में अब राज ठाकरे को अपने साथ लाकर भाजपा ने अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है और उसके इस दांव से उसका अपना ही कोर वोटर नाराज हो सकता है। ऐसे में सवाल ये ही कि कहीं भाजपा को उसका ये बड़ा दांव उसी पर उल्टा न पड़ जाए और बीजेपी को लेने के देने पड़ सकते हैं। तो वहीं भाजपा ने अपने इस कदम से विपक्ष को भी बैठे बिठाए एक मुद्दा दे दिया है। देखना ये है कि अब विपक्ष इस मुद्दे का कितना लाभ उठा पाता है और भाजपा के लिए राज ठाकरे को अपने साथ लाने का दांव फायदेमंद साबित होता है या उल्टा पड़ता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

आम आदमी की गिरफ्तारी बनेगी 'खास'!

देश के अंदर लोकसभा चुनावों को लेकर सियासी पारा काफी हाई है। लेकिन चुनावों से ठीक पहले दिल्ली के कथित शराब घोटाले में हुई सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने देश की सियासत में एक नया उबाल ला दिया है। कई समनों की अनदेखी के बाद अंतत: अब जब ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया है तो इस गिरफ्तारी की टाइमिंग पर काफी सवाल उठ रहे हैं। साथ ही सवाल देश की मोदी सरकार की मंशा पर भी उठ रहे हैं। क्योंकि जाहिर है कि केजरीवाल और उनकी पार्टी कई मौकों पर ये कहती रही है कि चुनाव से पहले मोदी सरकार केजरीवाल को गिरफ्तार करवा सकती है। शायद यही वजह रही कि ईडी के पिछले 9 समनों को केजरीवाल गैरकानूनी बताकर नदरअंदाज करते रहे। दूसरी ओर उनकी पार्टी ये भी कहती रही कि मोदी सरकार केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहती है ताकि वो लोकसभा चुनाव से दूर हो जाएं और प्रचार न कर सकें।

अब जब वाकई में चुनाव से ठीक पहले ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है, तो सवाल ये ही कि क्या केजरीवाल को गिरफ्तार कर भाजपा ने वाकई में उन्हें चुनाव से दूर कर दिया है? या फिर इस गिरफ्तारी ने केजरीवाल व आप को लोकसभा चुनाव में और भी मजबूती से खड़े होने का मौका दे दिया है। क्योंकि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है और एक सुर में भाजपा व मोदी सरकार पर निशाना साध रहा है।

अब जब वाकई में चुनाव से ठीक पहले ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया है, तो सवाल ये ही कि क्या केजरीवाल को गिरफ्तार कर भाजपा ने वाकई में उन्हें चुनाव से दूर कर दिया है? या फिर इस गिरफ्तारी ने केजरीवाल व आप को लोकसभा चुनाव में और भी मजबूती से खड़े होने का मौका दे दिया है। क्योंकि केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर पूरा विपक्ष एकजुट हो गया है और एक सुर में भाजपा व मोदी सरकार पर निशाना साध रहा है। कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष केजरीवाल की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बता रहा है और एक तानाशाह के हार के डर को दिखाना बता रहा है। कहीं न कहीं विपक्ष के ये आरोप उस समय जीवंत भी लगते हैं जब गिरफ्तारी की टाइमिंग पर नजर जाती है। क्योंकि अगर ईडी को केजरीवाल को गिरफ्तार ही करना था तो वो 4-5 समन की अनदेखी करने पर भी कर सकती थी, आखिर चुनाव के बिल्कुल नजदीक आ जाने पर ही ऐसा करने की क्या जरूरत पड़ गई? क्या वाकई में भाजपा केजरीवाल की आक्रामक रणनीति और विपक्षी एकता से इस कदर घबरा गई कि उसके पास केजरीवाल की गिरफ्तारी ही एकमात्र रास्ता बचा? हालांकि, अब जब केजरीवाल गिरफ्तार हो चुके हैं तब देखना ये है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी से वाकई में विपक्ष कमजोर होगा? या फिर चुनावी माहौल में केजरीवाल की गिरफ्तारी आप और विपक्ष के लिए एक संजीवनी का काम करेगी। क्योंकि जिस तरह से सिर्फ समन भेजने पर ही आप हंगामा करती रही और मोदी सरकार को घेरती रही, अब अपना सबसे बड़े लीडर की गिरफ्तारी पर काफी बड़ा आंदोलन व प्रदर्शन कर सकती है। अब तो उसे विपक्ष का साथ भी मिला हुआ है और अपनी बात रखने के लिए चुनावी माहौल भी। इसलिए ऐसे में क्या एक आम आदमी की गिरफ्तारी चुनावी मौसम में खास बनने वाली है? और क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी उल्टा बीजेपी को ही नुकसान पहुंचाएगी...

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

धरातल पर दिखे गुणवत्ता का जीवन

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 14 मार्च को संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट 2022 में भारत अब 193 देशों में से 134वें स्थान पर है। भारत की रैंकिंग में पिछले वर्ष की रिपोर्ट के मुकाबले एक पायदान का सुधार हुआ है। जहां 19 मार्च को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो रही है, वहीं राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के मुताबिक भारत में आम आदमी की आमदनी बढ़ने और उनके द्वारा भोजन पर कम और कपड़े, मनोरंजन व अन्य मदों पर अधिक खर्च किए जाने से उनके जीवनस्तर में धीरे-धीरे बेहतरी आ रही है। दरअसल, एचडीआई का तात्पर्य मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों- लंबा और स्वस्थ जीवन, शिक्षा तक पहुंच और सभ्य जीवन स्तर में औसत उपलब्धियों के आकलन से है।

इस नई एचडीआई रिपोर्ट 2022 में भारतीयों की प्रतिव्यक्ति आय 6951 डॉलर (करीब 5.76 लाख रुपए) दर्ज की गई है। वहीं भारत में जीवन प्रत्याशा में एक वर्ष पहले का औसत 62.2 था जो अब बढ़कर 67.7 हो गया है। भारत ने लैंगिक असमानता को कम करने में भी प्रगति की है। नि:संदेह भारत के मानव विकास सूचकांक में बढ़त का एक प्रमुख कारण भारत में गरीबी में कमी आना है। हाल ही में अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रुकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011-12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022-23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुल आबादी में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वालों (प्रतिदिन 1.90 डालर से कम खर्च करने वाले) की संख्या 2011-12 की 12.2 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में दो प्रतिशत आ गई है। गरीबों की संख्या में हर वर्ष 0.93 प्रतिशत की कमी के बराबर है। ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबों की संख्या घटकर 2.5 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में एक प्रतिशत रह गई है। इसी तरह थिंक टैंक नीति आयोग ने कहा है कि भारत में सरकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों से बीते नौ वर्षों में करीब 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में मदद मिली।

भारत वर्ष 2030 तक बहुआयामी गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य में सफलता प्राप्त करने की पूरी संभावनाएं रखता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज, स्वच्छ ईंधन के लिए

उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन व जन-धन खाते की सुविधा आदि से लोगों को गरीबी से ऊपर लाने में मदद मिली है। खासतौर से गरीबों के सशक्तीकरण में करीब 51 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 134 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 118 करोड़ से अधिक मोबाइल उपभोक्ताओं (एम), की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचे की विशिष्ट भूमिका रही है। भारत में बढ़ती हुई तेज अर्थव्यवस्था के कारण रोजगार-स्वरोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है और देश में स्टार्टअप्स की संख्या अब 1.25 लाख के आसपास पहुंच रही है। इनमें बड़ी संख्या में स्टार्टअप टियर 2 और टियर 3 शहरों में हैं। सरकार का दावा है कि युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के लिए निजी क्षेत्र के साथ सरकारी क्षेत्र में भी नए रोजगार अवसर बढ़े हैं। सरकार द्वारा रोजगार बढ़ाने के लिए लागू की गई विभिन्न योजनाओं पीएम ऋण योजना, पीएम स्वनिधि योजना, आत्मनिर्भर भारत योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, मनरेगा आदि के तहत युवाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में आम आदमी के कल्याण के लिए लागू की गई विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाएं स्वास्थ्य की चुनौती को कम करने में सहायक रही हैं। लेकिन अभी भी देश दुनिया के अनेक देशों की तुलना में मानव विकास सूचकांक में बहुत पीछे है। ऐसे में हमें यह ध्यान रखना होगा कि जहां अर्थव्यवस्था समाज का अहम हिस्सा है वहीं मानव विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सरकार द्वारा सामाजिक अधोसंरचना पर उसी तरह निवेश किया जाना होगा, जिस तरह भौतिक अधोसंरचना पर खर्च किया जा रहा है।

अभी देश में करोड़ों लोगों की गरीबी और स्वास्थ्य की चुनौतियां बड़े पैमाने पर स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। देश में अभी भी 15 करोड़ से अधिक लोग गरीबी की चिंताओं का सामना कर रहे हैं। आशा है कि सरकार द्वारा यूएनपीडी की मानव विकास सूचकांक रिपोर्ट 2022 के मद्देनजर देश में मानव विकास की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली, न्यायसंगत और उच्च गुणवत्ता वाली सार्वजनिक शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, सार्वजनिक सेवाओं में स्वच्छता, बहुआयामी गरीबी, भूख और कुपोषण खत्म करने के लिए नई जनकल्याण योजनाओं, सामुदायिक रसोई व्यवस्था तथा पोषण अभियान-2 सफल बनाया जाएगा।

स्वदेशी रक्षा उत्पादन से ही चुनौतियों का मुकाबला

सी. उदय भास्कर

भारत ने हाल ही में एमआईआरवी या मिर्वी (मल्टीपल इंडीपेंडेंट टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल) सक्षमता वाली अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह एक प्रशंसनीय उपलब्धि है, इसके लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। मिर्वी क्षमता पाने के साथ भारत चुनींदा राष्ट्रों के समूह में शामिल हो गया है। अभी तक यह काबिलियत केवल अमेरिका, रूस, यूके और चीन के पास थी। यह तकनीक 5000 किमी. या उससे अधिक दूरी तक, इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइलों को मारक क्षमता प्रदान करती है। एमआईआरवी समक्षता होने का मतलब है एक वारहैड में कई परमाणु वारहैड होते हैं और इनमें हरेक अलग-अलग जगह स्थित टागगेट को निशाना बना सकता है।

इस किस्म की उपलब्धि पहली मर्तबा अमेरिका ने 1970 के दशक के शीत युद्ध-काल में और बाद में सोवियत संघ ने पाई थी, आगे चलकर बाकी के उपरोक्त वर्णित तीन राष्ट्रों ने यह क्षमता पाई। मिर्वी की खास विशेषता है कि मिसाइल रोधी रक्षा तंत्र इसके सामने पंगु है और प्रति-घात आधारित संयम बनाने में इसका योगदान महत्वपूर्ण और जटिल प्रभावों वाला है। चीन ने मिर्वी समर्था 2015 में हासिल कर ली थी। जिस तरह मुख्य ताकतें सामूहिक नरसंहारक समक्षता पाने में तकनीकी-सामरिक पायदान चढ़ रही हैं, उसके मद्देनजर अपने पास निवारक उपाय होना निश्चित अपरिहार्यता बन जाती है। अक्टूबर, 1964 में चीन परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बना और कुछ झिझक के बाद भारत मई, 1998 में। सोवियत संघ के विघटन और अमेरिका का बतौर एकमात्र वैश्विक बाहुबली बनकर उभरने के बाद, चीन ने सीमा-पारीय संहारक सक्षमता पाने में निवेश करना शुरू किया, मिर्वी समर्था पाना इस नीति का हिस्सा है। सामरिक हिसाब से, अमेरिका के संदर्भ में, चीन ने अपने ऊपर सामूहिक नरसंहार हमले की आशंका से प्रति-घात उपाय हासिल करने के प्रयास शुरू कर दिए। लेकिन भारत और चीन के रिश्तों के संदर्भ में यह अवयव अलग स्तर का है और अग्नि-5 मिर्वी परीक्षण हमारी भू-राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। हालांकि, मुख्य अंतर यह कि एशिया के ये दो विशाल मुल्क पड़ोसी हैं और इनके बीच 4000 किमी सीमारेखा है। फिर, भूमि विवाद अनसुलझे हैं और दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने की स्थिति में हैं, कुछ संभागों में जमीनी हालत तनावपूर्ण बनी हुई है।

भारत के मिसाइल कार्यक्रम ने 1980 के दशक के शुरू में, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में, स्पष्टत: चाल पकड़नी शुरू कर दी थी। उस दौर में डीआरडीओ की यह उपलब्धि उल्लेखनीय थी क्योंकि अमेरिका ने भारत पर अनेकानेक तकनीक-प्रतिबंध थोप रखे थे। पृथ्वी श्रेणी की साधारण मिसाइलों के साथ परीक्षण शुरू करके, इंटिग्रेटेड गाइडेड मिसाइल कार्यक्रम ने मिर्वी समक्षता वाली अग्नि-5 प्रदान कर भारत की सामूहिक संहारक क्षमता में इजाफा किया है। चीन-भारत-पाकिस्तान संबंधों के परिपेक्ष्य में, इस क्षमता का सामूहिक विध्वंस के मामले में क्षेत्रीय प्रति-घात संयम बनाने में काफी प्रभाव रहेगा।

एक गैर-इरादन संयोगवश, जहां भारत अपनी एमआईआरवी सफलता का जश्न मना रहा है, वहीं स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर में भारत सबसे बड़ा शस्त्र आयातक बना हुआ है। मार्च, 2024 की रिपोर्ट बताती है कि 2014-18 और 2019-23 कालखंड में भारत के शस्त्र आयात में 4.7 फीसदी इजाफा हुआ। किंतु सत्य की कसौटी पर, फैलाई गई यह धारणा गलत पाई जाती है कि भारत ने अपनी सैन्य अस्त्र-शस्त्र जरूरतों में काफी हद तक आत्म-निर्भरता पा ली है और अब एक बड़ा निर्यातक भी है। इस विरोधाभास की व्याख्या यह है कि जहां डीआरडीओ का मिसाइल विकास कार्यक्रम स्पष्टत: सफल है, वहीं रिवायती अस्त्र-शस्त्रों के मामले में प्रगति बहुत धीमी है, तारीफ लायक कितने स्वदेशीकरण हुए? अलबत्ता यह सही है कि टोह, निगरानी और संचार उपकरण क्षेत्र में किया विकास प्रशंसनीय है पर ऐसे प्रसंग डीआडीओ के लगभग नगण्य उपलब्धियों वाले सकल इतिहास में अपवाद स्वरूप हैं।

यह शर्म की बात है कि पिछले 50 सालों में, एक ओर भारत ने सामूहिक संहारक क्षमता पाने में उल्लेखनीय प्रगति की है तो वहीं स्वदेशी तकनीक से रिवायती सैन्य हथियार बनाने की गति अत्यंत धीमी रही है। व्यक्तिगत अस्त्र से लेकर बड़ी तोपें, टैंक और लड़ाकू हवाई जहाज, इनके स्वदेशीकरण की चाल शोचनीय है। चाहे यह शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व हो या सैन्य अधिकारी, रक्षा मंत्रालय के नौकरशाह हो या सरकारी वैज्ञानिक, हर कोई इस कोताही के लिए जिम्मेवार है। जिस तंत्र को वे पोषित करते हैं, उसका जोर केवल आयात को बढ़ावा देने पर है। जाने कितनी मर्तबा डीआरडीओ की कार्य-कुशलता की समीक्षा इस क्षेत्र के और अन्य विषयक विशेषज्ञों ने की है, जिसमें पूर्व राष्ट्रपति एपीजे कलाम (जिन्होंने डीआरडीओ के अपने कार्यकाल में मिसाइल विकास कार्यक्रम की अगुवाई की थी) से लेकर विजय केलकर, पाल्ले रामा राव और नरेश चंद्रा शामिल थे, लेकिन डीआरडीओ की उत्पाद-विकास प्रगति में कोई खास सुधार नहीं आया। इसने पिछले पांच सालों में उच्च श्रेणी की अनेकानेक सफलताओं के दावे तो किए किंतु कुल मिलाकर यह 10-90 वाला मामला है यानी मामूली 10 फीसदी सफलता गाथा को सार्वजनिक तौर बढ़ा-चढ़ाकर 90 प्रतिशत और विश्वस्तरीय बताना।

गुलाब जामुन

होली में भर देगा मिठास

होली के दिन गुलाब जामुन से अपना और दोस्तों का मुंह जरूर मीठा करें। यह भारत की प्रसिद्ध डेजर्ट रेसिपी है। इसे बनाने के लिए पहले इन्हें डीप फ्राई किया जाता है, उसके बाद शुगर सिरप में डुबाया जाता है। भारत के हर कोने में आपको गुलाब जामुन खाने को मिल जाएगा। लेकिन आज हम आपको गुलाब जामुन बनाने का एक नया तरीका बता रहे हैं। इस तरीके में गुलाब जामुन के अंदर बहुत सारे ड्राई फ्रूट्स को भरा जाता है। जिससे इसका स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाता है। इसे आप स्टफ्ड गुलाब जामुन कह सकते हैं। गुलाब जामुन बनाते समय थोड़ी सी और मेहनत करके स्टफिंग के जरिए आप अपनी रेसिपी को और भी ज्यादा खास बना सकते हैं। इसके साथ ही आपके गुलाब जामुन को एक खास फ्लेवर भी मिलेगा।

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में खोवा ले, और जिस तरह से आप आटा गूंथते हैं उसी तरह से खोवा को भी अच्छी तरह से मसल लें। इसके बाद मैदा को भी डालकर अच्छी तरह से गूंथ ले। आपको मैदा को कम से कम 4 से 5 मिनट तक गूंथना है ताकि यह नर्म हो जाए। खोवा और मैदा को आपस में मिलाकर अच्छी तरह से इतना गूंथते है कि आपका डोह बिल्कुल सॉफ्ट हो जाए, इससे गुलाब जामुन भी सॉफ्ट बनेगा। अब इसमें चुटकी भर इलायची का पाउडर डालें और इसे भी अच्छी तरह से मिला लें। इसके बाद इसमें बेकिंग सोडा डालें और पूरे डोह को अच्छी तरह से मिला ले। फिर 15 मिनट के लिए एक तरफ अलग रख दें। अब बारी है स्टाफिंग तैयार करने की। इसके लिए सबसे पहले ड्राई फ्रूट्स ले, अब इसमें खोवा, केसर दूध डालकर इन्हें अच्छी तरह से मिलाए और एक तरफ अलग रख दें। एक पैन ले, पैन में शक्कर और पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाए। इसमें इलायची का पाउडर, केसर की पंखुड़ियां डालें और इसे गाढ़ा होते तक अच्छी तरह से पकाएं। अब डो से छोटे-छोटे बॉल की तरह गोले तैयार करें, उसके बाद बीच में फिलिंग भरे और इसे कवर कर दे। एक पैन ले। पैन को गर्म करें इसके बाद इसमें तेल डाले। तेल को भी अच्छी तरह से गर्म होने दें। फिर इसमें तैयार किए गए गुलाब जामुन डालें और इन्हें सुनहरा होने तक भूनें। अब इन्हें निकाल कर थोड़ा ठंडा होने दें। फिर इन गुलाब जामुन को शुगर सिरप में डूबा दे। 2 से 3 घंटे तक इन्हें इसी तरह से डूबे रहने दे।

मुख्य सामग्री

100 ग्राम खोया, 1 टेबल स्पून मैदा या सूजी, 1/4 टी स्पून बेकिंग सोडा, 2 कप चीनी, 2 कप पानी, 2 टेबल स्पून मिल्क, 1/2 कप नटस और आयल सीडस।

घर पर ही बनाकर खिलाएं स्वादिष्ट समोसा

बदलते मौसम में खाने-पीने का अपना अलग ही मजा होता है। खासतौर पर अगर बात करें भारतीय पकवानों की तो चटाकेदार भारतीय खाने और नाश्ते की तो बात की निराली होती है। लंच के बाद अक्सर शाम की चाय के साथ कुछ न कुछ खाने का मन करता रहता है। ऐसे में इस वक्त के लिए समोसा लगभग हर किसी को पसंद आता है। चाय के साथ अगर खाने को गरमागर्म समोसे मिल जाएं तो ये लोग उसे काफी चाव के साथ खाते हैं। वैसे तो भारत के हर गली-मोहल्ले में आपको समोसे आपको बनते हुए दिख जाएंगे, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि, लोग बाहर के बने समोसे खाने से बचते हैं।

सामान

मैदा, आलू, हरी मिर्च, धनिया, अदरक, तेल, नमक, लाल मिर्च पाउडर, छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 छोटी चम्मच गरम मसाला, छोटी चम्मच हींग, छोटी चम्मच अजवाइन।

विधि

समोसा तैयार करने के लिए सबसे पहले मैदे को छानकर एक बड़े से कटोरे में निकाल लें। इसके बाद इस मैदा में नमक और अजवाइन डालें। अच्छी तरह के इसे मिलाने के बाद पानी डालते हुए मैदा गूंथ लें। मैदा को गूंथने के बाद इसे साइड में रख लें। इसके बाद एक पैन लेकर उसमें तेल गर्म करें। अब इसमें उबले हुए आलू डालकर अच्छी तरह से मैश करें। इन आलूओं में अब हरी मिर्च, धनिया, अदरक, नमक, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, गरम मसाला, हींग और अजवाइन मिलाएं। अब इसे अच्छी तरह से तब तक भूनें। जब ये सही से भुन जाए तो आलूओं को एक प्लेट में निकाल कर रख लें। अब बारी आती है समोसा बनाने की। समोसा बनाने के लिए अब गूंथी हुई मैदा की लोई लेकर इसे गोल बेल लें। अब इसे बीच से दो भागों में काटकर एक भाग उठाएं। इस एक भाग को तिकोना करते हुए उसमें आलू भरें। आलू भरकर इसे ऊपर से गीली मैदा की मदद से चिपका दें। ऐसे करके सभी समोसे तैयार कर लें। बस अब ये समोसे तैयार हैं। आप चाहें तो तेल में इसे फाई कर लें। अगर तेल वाला समोसा नहीं खाना तो आप इसे एयरफ्राई भी कर सकते हैं।

हंसना मना है

लड़की: दुआ करो मैं फेल हो जाऊं। फ्रेंड : क्यों? लड़की: अब्बु ने कहा है कि 1st आयी तो लैपटॉप। 2nd आयी तो मोबाइल और फेल हो गयी तो शादी करवा दूंगा!

सरदार ने सर्दी में AC लगवाया, किसी ने पूछा: इतनी सर्दी में AC? सरदार: ओये मैंने उल्टा लगवाया, गरम हवा अंदर और ठंडी हवा बाहर जायेगी!

आदमी भगवान से: जमीन से आसमान तक रोड बना दो, भगवान: असंभव, कुछ और मांगो, आदमी: वाईफ को आज्ञाकारी और अकल्मन्द बना दो! भगवान : रोड सिंगल बनाऊं या डबल?

पिताजी: बेटा, मेरे लिए 1 ग्लास पानी लाना, पहला लड़का पिताजी से : नहीं लाऊंगा, दूसरा लड़का: रहने दो पापा, ये तो है ही बत्तमीज, आप खुद लेलो, और मेरे लिए भी 1 ग्लास ले आना!

कहानी — कौवा और दुष्ट सांप

एक बार की बात है। एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी इस खुशी को एक सांप की नजर लग गई। जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। इस प्रकार कई दिन निकल गए। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। इसी बीच कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हारा को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछे कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

तुला

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है।

वृषभ

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक

कोई राजकीय बाधा हो सकती है। जल्दबाजी में कोई भी गलत कार्य न करें। विवाद से बचें। काफी समय से अटका हुआ पैसा मिलने का योग है, प्रयास करें।

मिथुन

व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। बजट बिगड़ेगा। दूर से शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। भागदौड़ रहेगी।

धनु

किसी की बातों में न आएं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क

कष्ट, भय, चिंता व तनाव का वातावरण बन सकता है। जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी।

मकर

परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में विशेष सावधानी की आवश्यकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

सिंह

तरक्की के अवसर प्राप्त होंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं।

कुम्भ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शारीरिक कष्ट संभव है। व्यवसाय धीमा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की नाराजी झेलनी पड़ सकती है। परिवार में मनमुटाव हो सकता है।

कन्या

यात्रा सफल रहेगी। शारीरिक कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन

किसी अपरिचित की बातों में न आएं। धनहानि हो सकती है। थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | अपकमिंग

फ्लॉप फिल्म के बाद भी दोबारा एक्शन दिखाएंगे कार्तिक

कार्तिक आर्यन अब बॉलीवुड इंडस्ट्री के मंजे हुए कलाकार के रूप में जाने जाते हैं। डायरेक्टर अनीस बज्मी की हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 की अपार सफलता के बाद से उनका करियर एक दम से चमक उठा है। जिसकी बदौलत आने वाले समय में अभिनेता कई मूवीज में नजर आने वाले हैं। इस बीच कार्तिक आर्यन की एक और अपकमिंग फिल्म को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि कॉमेडी जॉनर को छोड़कर कार्तिक एक्शन मोड में नजर आ सकते हैं और इसके लिए उन्होंने एक दिग्गज फिल्ममेकर के साथ हाथ मिलाया है। कार्तिक आर्यन की अपकमिंग मूवीज की लिस्ट काफी लंबी है। अब जो खबर सामने आ रहे हैं, उसके आधार पर इस सूची में एक और नाम जुड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार कार्तिक ने किक और बागी जैसी एक्शन थ्रिलर बनाने वाले फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ अगली फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। एक्टर की ये मूवी के एक फुल ऑन एक्शन थ्रिलर साबित होगी और इसमें कार्तिक जिस किरदार में दिखेंगे, वैसा उन्होंने पहले कभी भी किस फिल्म में नहीं निभाया है। खास बात ये है कि उनकी इस मूवी का डायरेक्शन दिग्गज निर्देशक विशाल भारद्वाज करेंगे, जो इससे पहले कमीने और हैदर जैसी शानदार मूवीज के लिए जाने हैं। इस खबर के बाद कार्तिक आर्यन के फैंस की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई और वह उनकी इस मूवी की ऑफिशियल अनाउसमेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले कार्तिक आर्यन साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म शहजादा में एक्शन अवतार में नजर आए थे। हालांकि सुपरस्टार की ये मूवी बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुई थी। ऐसे में देखना ये दिलचस्प होगा कि क्या दोबारा से अभिनेता को एक्शन करते देखना फैंस पसंद करेंगे या नहीं।

बच्चा खोना एक मुश्किल वक्त था : रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी प्राइवेट रहती हैं। सोशल मीडिया पर भी वह कोई अपडेट नहीं देतीं। 21 मार्च को उनका जन्मदिन था। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बात की और काफी कुछ शेयर किया। रानी की बेटी अदिरा का चेहरा आम पब्लिक ने शायद ही देखा हो। उन्होंने बताया कि पहली बेटी होने के बाद ही वह दूसरे बच्चे के लिए ट्राई करने लगी थीं। मिसकैरिज होने के बाद से वह ट्रॉमा में हैं। रानी मुखर्जी गुरुवार को 46 साल की हो गईं।

बेटी अदिरा को भाई या बहन न दे पाने का जताया दुख

उन्होंने गलाट्टा इंडिया से बातचीत में कहा कि वह अंदर से जवान हैं और चाहती हैं कि लोग जब मिलें तो टीना के रूप में ही याद करें। रानी ने बताया कि मां बनने के बाद एक औरत इतनी बदल जाती है कि उसका पति तक हैरान होता है। उसमें मां दुर्गा का रूप आ जाता है, वह मां बन जाती है। रानी ने दोबारा मां न बन पाने का दर्द भी साझा किया। रानी बोलीं, मैंने 7 साल तक दूसरा बच्चा पैदा करने की कोशिश की। मेरी बेटी 8 साल की है। उसके होने के तुरंत बाद मैंने दूसरे बच्चे के लिए कोशिश की थी। मैं कोशिश करती रही। फाइनली प्रेग्नेंट हुई और बच्चे को खो दिया। जाहिर सी बात है यह मुश्किल वक्त था। रानी ने कहा, अब वो उम्र नहीं अब मैं दूसरा बच्चा पैदा कर सकूं। मेरे लिए यह बेहद ट्रॉमैटिक है कि मैं अपनी बेटी को भाई या बहन नहीं दे पा रही। मुझे इससे बहुत कष्ट होता है। रानी ने कहा कि जो है उसका शुक्रगुजार होना चाहिए। बहुत से लोग हैं जिनके एक बच्चा भी नहीं है। वह बोलीं कि अदिरा उनके लिए चमत्कारी बच्ची है।

एक समय मैं डिप्रेशन में चला गया था

रणदीप हुडा की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। एक्टर ने फिल्म के प्रमोशन के दौरान अपने फेलियर पर बात की। रणदीप ने बताया कि उनकी जिंदगी में एक समय ऐसा भी आया था जब वह डिप्रेशन में चले गए थे। उनके पास कोई काम नहीं था और वह घर का सामान बेच-बेचकर जिंदगी काट रहे थे। उनके मां-बाप उनकी ऐसी हालत देखकर परेशान हो गए थे।

रणदीप बोले- घर का सामान बेच-बेचकर जिंदगी गुजारने पर हो गया था मजबूर

रणदीप ने ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू में इस बात का खुलासा किया कि उन्होंने अपने 23 साल के करियर में कई साल बिना काम के गुजारे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि उन्होंने अपनी जिंदगी चलाने के लिए अपनी कार तक बेच दी थी। इतना ही नहीं उन्होंने धीरे-धीरे अपने घर के सामान भी बेचना शुरू कर दिया था। रणदीप ने बताया कि साल 2016 में 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' की अनाउंसमेंट करने के बाद उन्होंने स्वर्ण मंदिर जाकर कसम खाई थी कि जब तक ये फिल्म नहीं बनेगी तब तक वह अपने बाल नहीं काटेंगे। हालांकि, इसी बची अक्षय कुमार की 'केसरी' आ गई। 'केसरी' भी उसी मुद्दे पर बनी थी जिस मुद्दे पर 'बैटल ऑफ सारागढ़ी' बन रही थी। 'केसरी' फ्लॉप हो गई इसलिए 'बैटल ऑफ सरागढ़ी' को रिलीज नहीं किया गया। मुझे लगा कि मैंने अपनी जिंदगी के तीन साल बर्बाद कर दिए। मैंने अपने आपको कमरे में बंद कर दिया था ताकि कोई मेरे बाल न काटे। मैं डिप्रेशन में चला गया था। हालांकि, जब तक उस फिल्म को न्याय नहीं मिला मैंने अपने बाल नहीं काटे थे।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | महिला बेडरूम से कर रही मशरूम का बिजनेस

अपने इस देसी जुगाड़ से हर महीने कमा रही मोटी रकम!

एसी रूम से लेकर झोपड़ी तक में मशरूम उत्पादन के बारे में आपने खूब सुना होगा। आज हम आपको मशरूम उत्पादन के नए और शुद्ध देसी जुगाड़ के बारे में बताएंगे। जी हां! बिहार के बेगूसराय जिले के मटिहानी-1 पंचायत की जीविका दीदी निशा अपने बेडरूम में ही मशरूम का उत्पादन कर रही हैं। बताया जाता है कि निशा ने कृषि विज्ञान केंद्र खोदावंदपुर से 5 दिनों का प्रशिक्षण लिया, लेकिन रहने वाले घर के अलावा उसके पास जमीन ही नहीं थी। ऐसे में निशा ने बेडरूम में ही मशरूम उत्पादन शुरू करने का प्लान बनाया और और जीविका केबीपीएम मुन्ना कुमार को बताया। इसके बाद मुफ्त में बीज, पॉलिथीन बैग और केमिकल लेकर पिछले दो साल से मशरूम उत्पादन कर रही है। निशा ने लोकल 18 बिहार से मशरूम उत्पादन के अपने देसी जुगाड़ तकनीक साझा की। निशा ने बताया कि गेहूं के भूसा में फार्मिंगवेस्टिन नाम का केमिकल डालकर 12 घंटे तक भूसा को फूलने के लिए छोड़ देती हैं। इसके बाद 15 घंटे तक उसे छांव में सूखा लेती हैं। फिर शुरू होती है उत्पादन की प्रक्रिया। आगे की प्रक्रिया के लिए थोड़ा-थोड़ा भूसा और बीज को पॉलिथीन बैग में डालकर पैकेट बना

लेती हैं। इसके बाद धागा की लड़ी बनाकर 10-10 बैग को उससे बांध लेती हैं और दीवार के सहारे लटकाकर बेडरूम में रख लेती हैं। रूम के तापमान को मशरूम के अनुकूल रखने के लिए पंखा से हवा लगवाती हैं और पानी का फुहारा भी देती रहती है। निशा ने बताया कि पहली बार 30 दिनों में मशरूम उत्पादन हो जाता है। फिर अगले 15 दिनों में एक थैला से एक किलो से ज्यादा मशरूम निकल जाता है। ऐसे ही 75 थैला से हर 15 दिनों के बाद 100 किलो से ज्यादा मशरूम का उत्पादन हो जाता है। वह बताती हैं कि गांव में भी आसानी से 200 रुपए किलो की दर से मशरूम बिक जाता है। जबकि, ठोक व्यापारी 150 रुपए किलो की दर से खरीद लेते हैं। इस तरह से मशरूम बेचकर निशा रोज 2000 रुपए से ज्यादा कमा लेती है।

टाइगर फिश जो मगरमच्छ का भी कर लेती है शिकार

खतरनाक मछलियों की बात की जाए, पहले नंबर पर पफर फिश आती है। यह अत्यधिक विषैली होती है। इसे खाने से मौत तक हो सकती है। लेकिन आज हम आपको दुनिया की सबसे हिंसक मछली के बारे में बताने जा रहे हैं। जिसके दांत खंजर जैसे हैं और जो खूंखार मगरमच्छों का शिकार करने के लिए जानी जाती है। यह इतनी खतरनाक है कि सिर्फ 30 सेकेंड में मगरमच्छों की हड्डियां तक चबा जाती है। इसे दानव मछली के नाम से भी पुकारा जाता है। इंस्टाग्राम पर इस मछली का वीडियो शेयर किया गया है, जिसे देखकर लोग हैरान रह गए। इस मछली का नाम टाइगर फिश है। इसे दुनिया की सबसे हिंसक मछली माना जाता है। इसका ये नाम इसकी हिंसक प्रवृत्ति और शक्ल-ओ-सूरत के कारण ही रखा गया है। यह बाघों की अपना मुंह खोलती है। इस के दांत टाइगर की तरह ही खूंखार नजर आते हैं। अफ्रीका के मीठे पानी में पाई जाने वाली यह मछली काफी तेज होती है। यह इंसानों का शिकार करने में तो माहिर होती ही है, मगरमच्छ जैसे भारी और खतरनाक जानवरों को भी यह पलभर में खा जाती है। इस शक्तिशाली मछली के अंदर अपने आपपास उपस्थित मांस को सूंघने का अद्भुत सेंस होता है। यह आसानी से मांस और हड्डियों को खा सकती है। इसीलिए यह किसी से डरती भी नहीं। टाइगर फिश की तमाम प्रजातियां पाई जाती हैं। अपने कुनबे की सबसे बड़ी मछली है। यह 49 किलो तक हो सकती है। कांगो, लुअलाबा के अलावा अफ्रीका की तमाम झीलों में ये पाई जाती है। ताजे पानी में रहना पसंद करती है। इसकी त्वचा का रंग पीछे की तरफ ऑलिव और अंदर की ओर सिल्वर होता है। अपने विशाल आकार और वजन से यह शिकार को डराती है। इसके दांत रेजर की तरह बिल्कुल शार्प होते हैं। ये आसानी से 10 से 15 साल तक जीवित रहती है।

विपक्ष की आवाज को दबा रही बीजेपी : पायलट

» चुनावों में लोग देंगे मोदी सरकार को जवाब

» आदर्श आचार संहिता की उड़ी धज्जियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला और कहा कि लोकतंत्र में प्रतिशोध की मंशा से विपक्ष को दबाने की केंद्र की कोशिश को लोग स्वीकार नहीं करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई 95 प्रतिशत कार्रवाइयां भाजपा के विरोधियों के खिलाफ हैं। जैसे ही वे भाजपा का विरोध करना बंद कर देते हैं, उन्हें क्लीन चिट मिल जाती है। लोग देख रहे हैं कि विपक्ष की आवाज को कैसे दबाया और कुचला जा रहा है। पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी पायलट ने कहा, ..भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने कांग्रेस के बैंक 'फ्रीज' कर लिए हैं जो अनैतिक, असंवैधानिक और अवैध है।

निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। पहले हमने यह झारखंड में देखा और अब कल रात दिल्ली में। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप घोटाले के संबंध में राज्य की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बारे में पूछे जाने पर पायलट ने कहा, हम डरने वाले नहीं हैंज उन्हें प्राथमिकी दर्ज करने दें और लोगों का चरित्र हनन करें। प्रतिशोध की भावना से काम करके लोकतंत्र में विपक्ष को दबाने की कोशिश केंद्र सरकार कर रही है। उसे जनता स्वीकार नहीं करेगी। चुनाव से ठीक पहले ईडी ने एक मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया। आदर्श आचार संहिता का क्या मतलब है? उन्होंने कहा, पारदर्शिता दिखाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है और उसे मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए, तभी लोगों को लगेगा कि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो सकते हैं। पायलट ने कहा, मैंने कभी किसी निर्वाचित मुख्यमंत्री के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होते नहीं देखी, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि वह इंडिया गठबंधन में हैं या नहीं, अहम बात यह है कि क्या एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के प्रति इस तरह का रवैया सही है? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नैतिकता, मर्यादा और राजनीतिक आचरण की सीमाएं लांघ दी हैं।

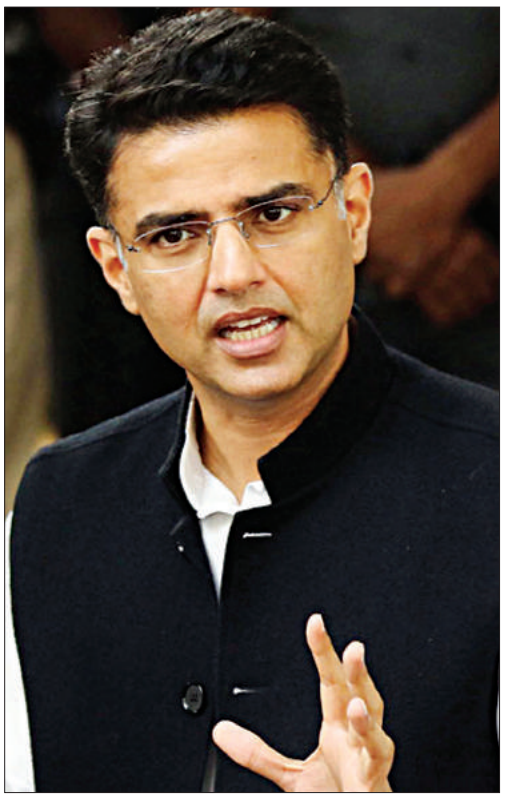

कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट, सभी एक साथ उतरेंगे प्रचार में : सीएम सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह से एकजुट है। सभी एक साथ होकर जल्द चुनाव प्रचार में उतरेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा सिंह हमारी प्रदेश अध्यक्ष हैं। उनके बोलने का तरीका स्पष्ट है। उनकी बातों को बढ़ा-चढ़ा कर करना गलत है। कुछ कांग्रेस विधायकों द्वारा प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ आलाकमान को पत्र लिखे जाने की चर्चाओं को भी विराम देने आज सुक्खू व प्रतिभा साथ आए।

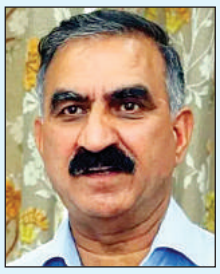

सीएम ने प्रतिभा को लेकर भ्रांतियों को दूर किया और प्रतिभा ने भी स्पष्ट कहा कि उन्होंने सीएम के खिलाफ कभी कुछ नहीं कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभा सिंह से पार्टी के हित में चर्चा होती रहती है। उन्होंने मंडी संसदीय सीट से चुनाव लड़ने को लेकर हाईकमान के समक्ष इन्कार किया है। उस बैठक में मैं भी मौजूद था। इसके पीछे कई बार पारिवारिक कारण होते हैं या कोई और कारण भी होते हैं। कई अड़चनें भी होती हैं। मंडी संसदीय क्षेत्र बहुत बड़ा है। वहां घूमना भी मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि मंडी से युवा, बुजुर्ग और महिला प्रत्याशी भी हो सकता है।

पार्टी का आदेश मानना पड़ता है : दिग्विजय

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को राजगढ़ जिले में पहुंचे। यहां उन्होंने छापीहेड़ा में आयोजित कांग्रेस के कार्यक्र म मंच से ही अपना नाम राजगढ़ लोकसभा के प्रत्याशी के रूप में होने घोषणा की है। साथ ही यह भी कहा भी पार्टी ने मुझसे कहा है कि आपको राजगढ़ लोकसभा से चुनाव लड़ना है, अभी लिस्ट जारी नहीं हुई है संभवतः देर रात तक वह भी हो जाएगी। शुक्रवार को अपने तय दौरे के मुताबिक दिग्विजय सिंह राजगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मां जालपा माता मंदिर में दर्शन किए और छापीहेड़ा में आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां मंच से ही उन्होंने अपने आपको आपको राजगढ़ लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस का प्रत्याशी बताते हुए कहा कि ये चुनाव आप सभी को ही लड़ना है। अभी तक तो घोषणा नहीं हुई है, लेकिन मैं तो चाहता था की स्थानीय नेता चुनाव लड़ें, लेकिन पार्टी ने मुझसे कहा है कि आपको चुनाव लड़ना है तो पार्टी का आदेश है, जो कि मानना पड़ता है। अब इस चुनाव को आप सभी को मेरे साथ मिलकर लड़ना है।

400 जीतने का दंभ भरते-भरते घबरा गई बीजेपी: उमर

» बोले- दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लग सकता है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा 400 सीटों से अधिक जीतने की बात कर रही है, लेकिन पार्टी में फिर भी घबराहट नजर आ रही है। इसलिए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया और यह पहला या आखिरी मामला नहीं है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा, ऐसी तैसी डेमोक्रेस, 400 से अधिक सीटों की सभी चर्चाओं के बावजूद, सत्तारूढ़ सरकार उल्लेखनीय स्तर की घबराहट प्रदर्शित कर रही है। आम चुनावों की घोषणा के कुछ ही दिनों के भीतर एक मौजूदा विपक्षी मुख्यमंत्री को केंद्रीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार

किया जाना लोकतंत्र पर एक धब्बा है। उमर ने कहा कि हालांकि यह पहला मामला नहीं है और न ही आखिरी है। आगे भी कहीं और ऐसा हो सकता है। इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी हिरासत में लिया गया था। उन्होंने राजभवन में जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया, क्योंकि उन्हें पता था कि आगे क्या हो सकता है। अगर वह मौजूदा मुख्यमंत्री के रूप में जेल गए होते। भाजपा ने राष्ट्रपति शासन लगाने के लिए संविधान का इस्तेमाल कर लिया होता।

बढ़ते अधिनायकवाद की गंध : महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि दिल्ली के सीएम की मनमाने ढंग से की गई गिरफ्तारी से राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई नजर आ रही है। महबूबा ने कहा, ईडी द्वारा एक और मुख्यमंत्री की मनमाने ढंग से की गई गिरफ्तारी से राजनीतिक प्रतिशोध और बढ़ते अधिनायकवाद की गंध आ रही है। इस कायरतापूर्ण कृत्य ने सत्तारूढ़ दल की आशंकाओं को उजागर कर दिया है कि अब चुनाव होने से पहले ही उनमें हेरफेर करके हताशापूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इतिहास गवाह है कि एकीकृत प्रतिरोध के सामने अत्याचार कभी हावी नहीं हो पाया है। हम डरेंगे नहीं।

उन्होंने कहा कि अब दिल्ली के लिए उनकी यह चिंता है। अगर आम आदमी पार्टी जेल से अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाए रखने पर अड़ी है।

आचार संहिता को लेकर बुरी फंसी नायब सैनी सरकार

» कांग्रेस विधायक ने की शिकायत, मंत्रिमंडल विस्तार पर चुनाव आयोग ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नायब सैनी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर सवाल उठ गए हैं। कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा की शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने मंत्रिमंडल के विस्तार पर हरियाणा सरकार के चीफ सेक्रेटरी से जवाब मांगा है। हरियाणा सरकार ने चुनाव आचार संहिता लगने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। विधायक शर्मा ने आयोग को भेजी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 16 मार्च को देश में आदर्श आचार संहिता लागू है।

इसके बावजूद हरियाणा सरकार ने 19 मार्च को मंत्रिमंडल का विस्तार कर आठ मंत्रियों को राजभवन में शपथ दिलवाई। हरियाणा सरकार के गजट नोटिफिकेशन में स्पष्ट लिखा है कि राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के परामर्श पर 8 मंत्रियों की नियुक्ति करवाई। आदर्श आचार संहिता में नई नियुक्ति पर रोक है।

मतदाताओं को लुभाने के लिए हुआ विस्तार : नीरज

विधायक नीरज शर्मा का कहना है कि कई अखबारों में स्पष्ट लिखा है कि नए मंत्रियों की नियुक्ति जातिगत एवं क्षेत्रीय समीकरण को देखते हुए की गई है। आचार संहिता में स्पष्ट लिखा है कि कोई ऐसा कार्य नहीं किया जाना चाहिए जो मतदाताओं को लुभाने एवं उन्हें अपनी ओर आकर्षित करता हो। शर्मा ने मांग की थी कि आचार संहिता के उल्लंघन पर दोषी अधिकारियों पर सख्त से सख्त से कार्रवाई की जाए।

आईपीएल में चेन्नई ने जीत के साथ किया आगाज

» छह विकेट से आरसीबी को हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के शुरूआती मैच में छह विकेट से जीत हासिल कर यहां चेपॉक स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर अपना दबदबा जारी रखा। पहले सीएसके के गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान (29 रन देकर चार विकेट) ने अपनी 'वैरिएशन' से चार विकेट झटककर आरसीबी को मुश्किल में डाल दिया था।

लेकिन अनुज रावत (48 रन) और दिनेश कार्तिक (नाबाद 38 रन) के बीच छठे विकेट के लिए 95 रन की साझेदारी से आरसीबी छह विकेट पर 173 रन का स्कोर बनाने में सफल रही। पर उसके गेंदबाज अपनी गलतियों से सीएसके को दबाव में लाने के बावजूद जीत दर्ज करने से

नहीं रोक सके। सीएसके ने 18.4 ओवर में चार विकेट पर 176 रन बनाकर अपने नये कप्तान रूतुराज गायकवाड़ को जीत से शुरूआत करायी। शिवम दूबे (28 गेंद में नाबाद 34 रन) और रविंद्र जडेजा (17 गेंद में नाबाद 25 रन) पांचवें विकेट के लिए नाबाद 66 रन जोड़कर सीएसके को जीत तक ले गये। गायकवाड़ (15 रन) ने रचिन रविंद्र (15 गेंद में 37 रन) के साथ अच्छी शुरूआत की लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके। पर रचिन रविंद्र ने आईपीएल में पदार्पण में अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान तीन चौके और तीन छक्के जमाये। गायकवाड़ (15 गेंद, तीन चौके) यश दयाल की गेंद पर आउट हुए।

मुस्तफिजुर ने झटके चार विकेट

इससे पहले आरसीबी ने मुस्तफिजुर के झटकों से उबरते हुए अनुज रावत (25 गेंद) और कार्तिक की मदद से सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। अनुज रावत (25 गेंद) ने तुषार देशपांडे के खिलाफ 25 रन जड़े और अनुभवी क्रिकेटर कार्तिक (नाबाद 38) के साथ मिलकर सिर्फ 57 गेंद में पर छठे विकेट के लिए 95 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभायी। शुरू में सतर्क होकर खेल रहे रावत ने देशपांडे पर तीन छक्के और एक चौके जड़कर पारी का रुख बदल दिया जिससे आरसीबी ने अपने आखिरी छह ओवर में 83 रन बनाये। कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 35 रन की पारी खेली।

टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के ठिकानों पर छापे

» कोलकाता में सीबीआई की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। सीबीआई ने पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में शनिवार को कोलकाता समेत विभिन्न स्थानों पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के ठिकानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई की एक टीम शनिवार तड़के कोलकाता और अन्य शहरों में महुआ मित्रा के ठिकानों पर पहुंची और छापेमारी प्रक्रिया की जानकारी देकर कार्रवाई शुरू की।

उन्होंने बताया कि सीबीआई ने लोकपाल के निर्देश पर बृहस्पतिवार को मोइत्रा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। लोकपाल ने एजेंसी को छह महीने में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। मोइत्रा को अनैतिक आचरण के लिए दिसंबर में लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

फाग का रंग : सोमवार को होली है। उससे पहले बाजारों में होली की खरीदारी शुरू हो गई। पूरे देश में दुकानों पर रंग, पिचकारी, कपडें व खाने-पीने की चीजों को लेने के लिए भीड़ उमड़ रही है।

बसपा ने सांसद राम शिरोमणि वर्मा को किया बाहर

» अनुशासनहीनता के आरोप में हुई कार्रवाई उनके भाई भी पार्टी से निष्कासित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर जिले के निवासी श्रावस्ती सांसद राम शिरोमणि वर्मा और उनके भाई पार्टी नेता राम सुरेश वर्मा को बसपा ने निष्कासित कर दिया है। अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए जिला कमेटी ने यह कार्रवाई की है। अकबरपुर निवासी राम शिरोमणि वर्मा ने पिछला लोकसभा चुनाव श्रावस्ती से बसपा के टिकट पर लड़ा था। वे जीत दर्ज कर सांसद बनने में सफल रहे थे।

पिछले काफी समय से उनके दलबदल करने को लेकर कई तरह की अटकलें चली आ रही थीं। हालांकि सांसद द्वारा इसे मनगढ़ंत बताया जाता रहा। इस बीच पार्टी नेतृत्व से प्राप्त निर्देशों के क्रम में जिलाध्यक्ष सुनील गौतम ने शनिवार को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में सांसद को पार्टी से बाहर कर दिया। इसके साथ ही उनके भाई सुरेश वर्मा को भी पार्टी से निष्कासित किया गया है। वे बसपा के टिकट पर अकबरपुर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुके हैं। पत्र में कहा गया कि कई बार अनुशासनहीनता को लेकर चेतावनी दी गई लेकिन कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ। इसके चलते ही दोनों का निष्कासन किया जा रहा है।

हिमाचल में कांग्रेस के पूर्व बागी बीजेपी में शामिल

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के छह आयोग्य विधायक भाजपा और तीन निर्दलीय विधायक का हाथ थामे हैं। साथ ही कांग्रेस के चार विधायकों के भी बीजेपी में शामिल होने की बात सामने आई है। सुबह उनको दिल्ली में भाजपा में शामिल करने के बाद हिमाचल लाने का कार्यक्रम है। शनिवार दोपहर बाद तीन बजे ये शिमला पहुंचेंगे। यहां भाजपा के कार्यकर्ता इनका स्वागत भी कर सकते हैं। शुक्रवार को शिमला में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में इस कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा विधायक दल की बैठक में लोकसभा चुनाव को लेकर भी मंथन किया गया।

गुजरात की सांसद रंजनबेन का चुनाव लड़ने से इनकार

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से पार्टियां अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर रही है। भाजपा ने अपने उम्मीदवारों की चार सूचियां जारी कर दी है। इस बीच पार्टी को गुजरात से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, वडोदरा लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार रंजनबेन भट्ट ने ऐलान किया है कि वह लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए एक पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी है। रंजनबेन भट्ट ने चुनाव न लड़ने का कारण भी बताया। उन्होंने कहा,मैं, रंजनबेन धनंजय भट्ट, अपने व्यक्तिगत कारणों से लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की इच्छुक नहीं हूं। बता दें कि जब से लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वडोदरा लोकसभा सीट पर रंजनबेन भट्ट के नाम की घोषणा हुई है, तब से बीजेपी में विरोध शुरू हो गया है। बीजेपी नेता ज्योतिबेन पंड्या ने ही रंजनबेन भट्ट के नाम का विरोध किया था। शहर के अलग-अलग इलाकों में उनके नाम का विरोध करते हुए बैनर भी लगाए गए।

पूरे देश में समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया को किया गया याद

पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष खरगे व सपा प्रमुख अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश ने समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया को उनकी 114वीं जयंती पर याद किया। देश की राजधानी से लेकर प्रदेशों में सपा, कांग्रेस, भाजपा समेत सभी सियासी दलों ने राममनोहर लोहिया को श्रद्धांजलि दी। पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी लोहिया को पुष्पांजलि दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रद्धांजलि देते हुए शनिवार को कहा कि वह स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के बाद स्वतंत्र भारत में राजनीति के एक स्तंभ थे। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स लिखा कि लोहिया को उनके मजबूत समाजवादी विचारों के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में जन्मे लोहिया को पारंपरिक रूप से वंचित समुदायों के सशक्तीकरण पर केंद्रित राजनीति को आकार देने और उस समय प्रमुख दल कांग्रेस के खिलाफ विपक्षी ताकतों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्हें 'लाहौर षड्यंत्र मामले में उनकी भूमिका के लिए अंग्रेजों ने फांसी दे दी थी। प्रधानमंत्री ने 'शहीद दिवस पर तीनों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि देश मां भारती के इन सच्चे सपूतों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक याद करता है।

फाइल फोटो

खाई में गिरी कार, तीन लोगों की दर्दनाक मौत

» झारखंड में बारातियों की बस ट्रक से टकराई, तीन बच्चे मरे, आठ घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां एक कार खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, थाना नंदा नगर घाट पर देर रात सूचना मिली कि ग्राम मणखी के पास एक कार 300 मीटर नीचे पलट कर गिर गई है, हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है।

सूचना पर थाना नंदा नगर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। आसपास के ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने तीनों शवों को अस्पताल में लेकर आई। मृतकों की पहचान बद्री प्रसाद (42) पुत्र रामेश्वर प्रसाद रतूड़ी, ग्राम कुंमजुंग थाना नंदा नगर घाट, राकेश सती (51) पुत्र शंभू प्रसाद निवासी ग्राम माणखी थाना नंदा नगर घाट जिला चमोली, ललित प्रसाद (57) पुत्र इंद्रमणि सती निवासी ग्राम कांडई थाना नंदा नगर घाट जिला चमोली के रूप में हुई है। वहीं झारखंड के लोहरदगा जिले में बारातियों को ले जा रही एक बस एवं ट्रक की टक्कर में तीन बच्चों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हादसे में मारे गए बच्चों की उम्र छह माह से छह साल के बीच थी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना राज्य की राजधानी रांची से लगभग 60 किलोमीटर दूर कुडू इलाके के ताती गांव के पास शुक्रवार रात हुई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।